जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 209 प्रभात कोटा, सोमवार 13 मई, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

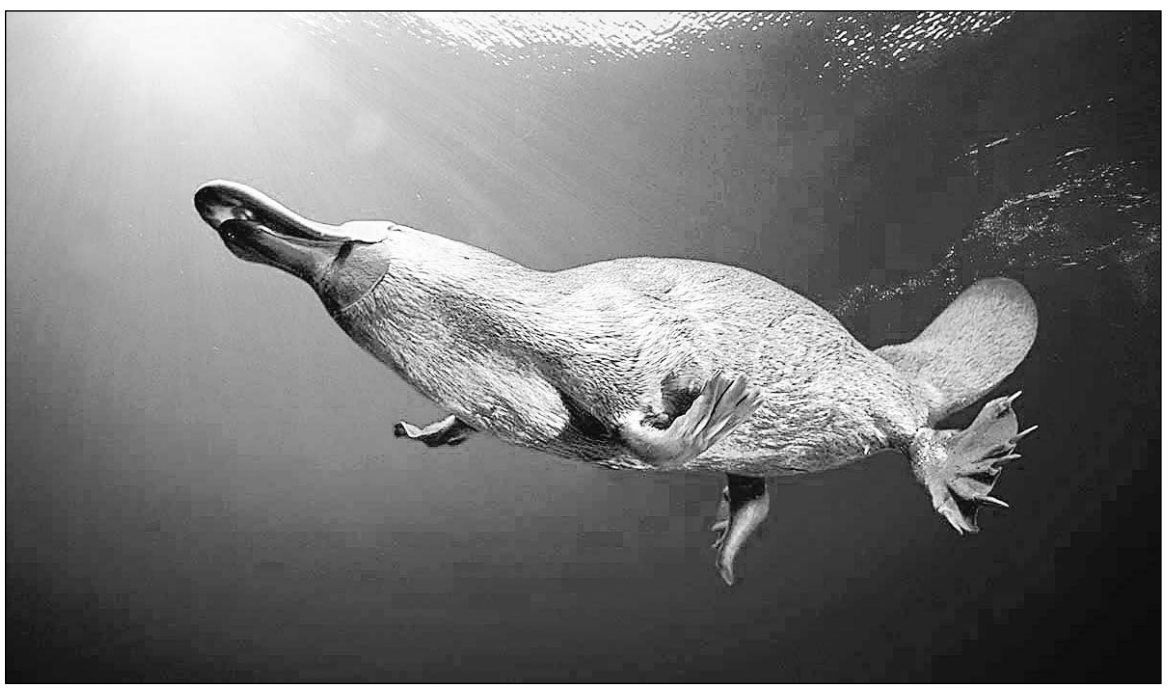

*वर्ष 2000 में एक साल के एक प्लैटिपस को ''टैग'' किया गया था। गत वर्ष जब, तकरीबन 24 वर्ष का यह प्लैटिपस वापस पकड़ा गया तो वह जीवविज्ञानी (जिसने उसे टैग किया था) आश्चर्यचकित रह गया क्योंकि, प्राकृतिक आवास में मिलने वाला, यह प्लैटिपस अब तक का सबसे उम्रदराज प्लैटिपस है। ''ऑस्ट्रेलियन प्लैटिपस कंज़र्वेन्सी'' के निदेशक, ज्यॉफ विलियम्स, अंडे देने वाले स्तनपाईयों पर दशकों से शोध कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि, इन प्रजातियों पर दीर्घकालिक शोध महंगा और दुर्लभ हो सकता है। चौबीस वर्षीय इस नर प्लैटिपस की खोज के लिए, वर्ष 1994 में ''मैलबर्न वॉटर्स संस्था'' द्वारा शुरु किए गए एक कार्यक्रम को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। मैलबर्न क्षेत्र में सेकड़ों प्लैटिपस को पकड़ कर टैग लगाया गया है, इसलिए उनका कुछ वर्ष बाद वापस से प्रकट होना कोई असामान्य बात नहीं है। तथापि, विलियम्स ने कहा कि, यह 24 वर्षीय प्लैटिपस, अपनी आयु के कारण, हमारी सभी की आशाओं से परे निकला है। उन्होंने कहा, यह उल्लेखनीय है कि, यह जानवर, इतने वर्षों के बाद भी स्वस्थ है। चौबीस वर्षीय यह नर प्लैटिपस, इन जीवों के आयुकाल को लेकर प्रकाशित एक अध्ययन का केन्द्र बिंदु है। इसे वर्ष 2000 में, मॉनबल्क क्रीक, मैलबर्न में पकड़ कर टैग किया गया था, जब यह लगभग एक वर्ष का था। गत वर्ष, सितम्बर में उसी नदी प्रणाली में, लगभग 24 वर्ष की आयु में इसे पुनः पकड़ा गया। इससे पूर्व का कीर्तिमान, एक 21 वर्षीय मादा प्लैटिपस के नाम था, जिसे, न्यू साउथ वेल्स के ऊपरी शोलहेवन नदी में पकड़ा गया था। विलियम्स ने कहा कि, अधिकतर प्लैटिपस, 20 वर्ष से अधिक नहीं जी पाते हैं, लेकिन, ये कितना लंबा जीते हैं, इसके बारे में, अभी कोई सर्वसम्मति नहीं बन पाई है। विलियम्स ने कहा कि, यह शोध करना बहुत महंगा और समय लेने वाला होता है, परिणाम स्वरुप बहुत अधिक दीर्घकालिक अध्ययन नहीं हुए हैं। सौभाग्य से, मैलबर्न वॉटर्स संस्था का यह कार्यक्रम, अपनी तरह का संभवतः, सबसे ज्यादा लंबा चलने वाला कार्यक्रम है। विलियम्स ने कहा कि, यद्यपि अभी और अधिक शोध की आवश्यकता है, लेकिन, प्लैटिपस की आयु मुख्यतः, जनसंख्या धनत्व तथा उनके प्राकृतिक निवास स्थान के अंदर प्रतिस्पर्धा पर निर्भर करती है।*

# पटना: मोदी के रोड शो में नीतीश कुमार भाजपा का चिन्ह कमल हाथ में पकड़े नज़र आये

## नीतीश ने कहा कि, मैं अब भाजपा को छोड़कर कहीं और जाने वाला नहीं

- **प्रधानमंत्री ने पटना में रविवार शाम करीब 55 मिनट तक रोड शो किया, इस दौरान पटना की सड़कें भगवामय नज़र आईं।**
- **गौरतलब है कि, नीतीश पर विपक्षी दल बार-बार पाला बदलने वाले नेता का आरोप लगा रहे हैं, बिहार में मुख्य विपक्षी दल आर.जे.डी. के नेता तेजस्वी यादव इस मामले में नीतीश कुमार को कई बार घेर चुके हैं। शायद अपनी इसी छवि को सुधारने के लिए नीतीश ने प्रधानमंत्री के साथ कमल का चिन्ह हाथ में थाम लिया।**

नई दिल्ली, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना में रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी साथ रहे। खास बात यह है कि, मुख्यमंत्री नीतीश प्रधानमंत्री के साथ रथ में सवार होकर भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल को हाथ में पकड़े हुए नज़र आए। इस दौरान नीतीश की पार्टी जे.डी.यू. का चुनाव चिन्ह तीर-कमान नहीं नजर आए। प्रधानमंत्री ने पटना में रविवार शाम करीब 55 मिनट तक रोड शो किया, इस दौरान राजधानी की सड़कें भगवामय नजर आईं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो की शुरुआत पटना के भट्टाचार्य मोड़ से हुई। प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री चौधरी और पटना साहिब से भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद भी मौजूद रहे। करीब 55 मिनट तक प्रधानमंत्री ने पीरमुहानी, बुद्ध मूर्ति, कदमकुआं होते हुए उद्योग भवन तक रोड शो किया। इस दौरान वे लोगों का अभिवादन करते हुए नजर आए। भाजपा ने इस कार्यक्रम की जोर शोर से तैयारी की थी। रोड शो के दौरान सड़क के दोनों ओर प्रधानमंत्री मोदी के समर्थक और बीजेपी कार्यकर्ता जयश्री राम और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी पर लगातार फूलों की बारिश होती रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोड शो के दौरान भाजपा का चुनाव चिन्ह कमल पकड़ा। कुछ देर के लिए नीतीश भी कमल को अपने हाथ में थामकर लोगों का अभिवादन करते हुए नजर आए। हालांकि, बाद में उन्होंने उसे नीचे रख दिया। अब इसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। रविवार को गोपालगंज में चुनावी रैली को दौरान नीतीश ने दोहराया कि, वे अब भाजपा का साथ छोड़कर कहीं नहीं जाने वाले हैं।

गौरतलब है कि, नीतीश पर विपक्षी दल बार-बार पाला बदलने वाले नेता का आरोप लगा रहे हैं, बिहार में मुख्य विपक्षी दल आर.जे.डी. के नेता तेजस्वी यादव इस मामले में नीतीश कुमार को कई बार घेर चुके हैं। शायद अपनी इसी छवि को सुधारने के लिए नीतीश ने प्रधानमंत्री के साथ कमल का चिन्ह थाम लिया साथ ही उन्होंने यह कहकर कि, ''अब मैं भाजपा को छोड़कर कहीं नहीं जाने वाला।'' उन्होंने उपरोक्त बात कहकर बार -बार पाला बदलने नेता की छवि को साफ करने का प्रयास किया। मोदी के रोड शो में जमकर भीड़ उमड़ी। मोदी के रोड शो के दौरान जमी भीड़ हर तरफ चर्चा का विषय बनी रही।

## चौथे चरण की वोटिंग आज

नई दिल्ली, 12 मई। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश की 96 संसदीय सीटों पर मतदान होगा। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस चरण में आंध प्रदेश और ओडिशा विधानसभा के चुनावों के लिए भी मतदान कराए जा रहे हैं। कई क्षेत्रों में वोटिंग सामग्री और मतदान कराने वाली टीमों को हवाई मार्ग से भेजा गया है।

- **सोमवार को 10 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश की 96 संसदीय सीटों पर मतदान होगा।**

मतदान सोमवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक कराया जाएगा। तेलंगाना में 17 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ विधानसभा सीटों के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय शाम 7 बजे तक बढ़ाया गया है।

चुनाव आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, 10 राज्य/केंद्र-शासित प्रदेशों की कुल 96 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 17.7 करोड़ मतदाता हैं। ये 1.92 लाख मतदान केंद्रों पर वोट डालकर 1717

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# राजस्थान समेत उत्तर भारत में 12 से 16 मई तक बारिश की संभावना

## भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि, राजस्थान में 12-16 मई, के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है

- **भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि, अगले दो दिनों में उत्तर प्रदेश और दक्षिण राजस्थान के मैदानी इलाकों में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है।**
- **मौसम विभाग ने 16 मई के बाद पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दक्षिणी हरियाणा में तेज गर्मी के साथ लू चलने का अनुमान जताया है।**

नई दिल्ली, 12 मई (वार्ता) पूर्वी, मध्य, दक्षिण प्रायद्वीपीय और उत्तर पश्चिम भारत में अगले तीन से चार दिनों तक आंधी, तूफान और तेज़ हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में 16 मई से लू का एक नया दौर शुरू होने का अनुमान है। विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों तक उत्तर पश्चिम भारत में व्यापक रूप से से छिटपुट हल्की बारिश होने का अनुमान है।

बारह मई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश में और राजस्थान में 12-16 मई, के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

आई.एम.डी. ने कहा कि अगले दो दिनों में उत्तर प्रदेश और दक्षिण राजस्थान के मैदानी इलाकों में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है।

विभाग ने कहा , ''बारह मई को जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गरज, बिजली और हवाओं के साथ व्यापक रूप से वर्षा होने का अनुमान है, और इसके बाद 13 और 14 मई को अलग-अलग गतिविधि के साथ इसमें कमी आएगी।''

विभाग ने कहा कि 12 और 13 मई को विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और गुजरात में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## जयपुर एयरपोर्ट व देश के आठ अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 12 मई। दिल्ली के 8 बड़े अस्पतालों और एयरपोर्ट से लेकर राजस्थान में जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। इन धमकियों ने सबको हिला कर रख दिया। दिल्ली फायर सर्विस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम की यह धमकियां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी

- **बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत सतर्कता बरतते हुये जयपुर एयरपोर्ट सहित दिल्ली के आठ अस्पतालों में सघन जांच अभियान चलाया।**

अस्पताल और बाहरी दिल्ली में संजय गांधी अस्पताल को मिलीं। इसके अलावा दिल्ली के डी.डी.यू. , गुरु तेग बहादुर अस्पताल और दादरी इलाके में स्थित दादा देव हॉस्पिटल को भी बम से

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'मेरी सभी शिकायतों की चुनाव आयोग ने भारी अनदेखी की है'

## कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, चुनाव आयोग भाजपा नेताओं के साम्प्रदायिक एवं जातिवादी बयानों पर कार्रवाई करने में जरा भी तत्परता नहीं दिखा रहा है

- **खड़गे ने पहले दो चरणों के मतदान के आंकड़े जारी करने में निर्वाचन आयोग की देरी पर चिंता जाहिर की। खड़गे ने कहा कि, ई.वी.एम. से पोलिंग के आंकड़े जारी होने में इतनी देरी क्यों हो रही है। चुनाव आयोग मतदान के अगले दिन आंकड़े जारी कर रहा है, यह बात संदेहास्पद है।**

नई दिल्ली, 12 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, यह आश्चर्य की बात है कि निर्वाचन आयोग ने उनके शिकायतों की अनदेखी की है। खड़गे ने कहा कि आयोग ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं को लिखे गए एक पत्र का जवाब देने का तो फैसला किया, लेकिन उनके द्वारा सीधे आयोग में की गई कई अन्य शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों को संबोधित एक पत्र में उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग सत्तारूढ पार्टी के नेताओं द्वारा दिए जा रहे घोर सांप्रदायिक और जातिवादी बयानों से निपटने में कोई तत्परता नहीं दिखा रहा है और यह हैरान करने वाला है।

पहले दो चरणों के मतदान के आंकड़े जारी करने में निर्वाचन आयोग की देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए खड़गे द्वारा इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस के नेताओं को लिखे गए पत्र के जवाब में, आयोग ने शुक्रवार को इसे स्पष्टीकरण मांगने की आड़ में पूर्वाग्रहपूर्ण विमर्श को आगे बढ़ाने का प्रयास बताया था। खड़गे ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह स्पष्ट रूप से गठबंधन सहयोगियों को संबोधित एक खुला पत्र था, न कि आयोग को। खड़गे ने शनिवार को निर्वाचन आयोग के भेजे अपने पत्र में कहा, ''आश्चर्य की बात है कि भारत निर्वाचन आयोग इस पत्र का जवाब देना चाहता था, जबकि सीधे तौर पर दी गई कई अन्य शिकायतों को नजरअंदाज कर रहा है। पत्र की भाषा को लेकर मेरे मन में कुछ शंकाएं हैं, लेकिन मैं उस मुद्दे पर जोर नहीं दूंगा, क्योंकि मैं समझता हूं कि वे किस दबाव में काम कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का पत्र एक तरफ कहता है कि आयोग नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार का सम्मान करता है और दूसरी तरफ, नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह के रूप में धमकाता है। खड़गे ने कहा, ''मुझे खुशी है कि आयोग समझता

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कांग्रेस गहलोत के पुत्र मोह के कारण मारवाड़ की सभी चार सीटें हारेगी?

## पूर्व मु.मंत्री गहलोत ने सारा फोकस जालोर-सिरोही पर रखा, जहां से उनके पुत्र वैभव चुनाव लड़ रहे है

- **जालोर-सिरोही के अलावा अन्य किसी सीट में गहलोत प्रचार करने नहीं गए यही नहीं बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर तो उन्होंने कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी की भारी खिलाफत भी की।**
- **गहलोत ने अपने गृह क्षेत्र जोधपुर में भी कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह की मदद नहीं की, क्योंकि करण सिंह पायलट खेमे के हैं। गहलोत नहीं चाहते कि, जोधपुर, जहां से गत चुनाव में वैभव हारे, कोई अन्य कांग्रेसी जीते, वो भी पायलट खेमे का।**
- **चर्चा है कि, तमाम कोशिशों के बाद भी वे जालोर-सिरोही से अपने बेटे को जीत नहीं दिला पाएंगे, क्योंकि यह सीट भाजपा का गढ़ मानी जाती है।**

जालोर, 12 मई (कासं)। लोकसभा चुनाव में मारवाड़ क्षेत्र की चारों सीटों पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र मोह के कारण कांग्रेस कमज़ोर स्थिति में नज़र आ रही है। मारवाड़ क्षेत्र की जोधपुर, पाली, जालोर - सिरोही व बाड़मेर - जैसलमेर सीट में से गहलोत के पुत्र वैभव जालोर - सिरोही सीट से प्रत्याशी हैं और गहलोत का पूरा फोकस अपने पुत्र के चुनाव पर ही रहा। उन्होंने सारी ताकत यहीं लगा दी और बाकी तीन सीटों पर कोई ध्यान नहीं दिया। मारवाड़ में कांग्रेस खाता भी खोलती नज़र नहीं आ रही है।

अशोक गहलोत ने अपनी राजनीति के अंतिम पड़ाव में अपने पुत्र वैभव का राजनीति करियर बनाने के लिए प्रदेश की सभी पच्चीस सीटों पर कांग्रेस की साख ही दांव पर लगा दी। जालोर - सिरोही सीट पर अपने पुत्र को टिकट दिलाने के बाद से वे सिर्फ पुत्र के लिए चुनावी बिसात बिछाने में लगे हैं। शेष सीटों में अधिकतर पर उन्होंने एक सभा तक नहीं की। जालोर -सिरोही में उन्होंने वैभव के लिए अपने सभी करीबी मंत्रियों व नेताओं को तैनात कर दिया। लेकिन फिर भी वे जालोर -सिरोही सीट से अपने पुत्र को जीत नही दिला पाएंगे, वैसे भी यह सीट भाजपा की गढ़ रही है।

गहलोत ने पाली लोकसभा क्षेत्र से अपनी नज़दीकी, जोधपुर निवासी व राज्य महिला व बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष रही संगीता बेनीवाल को टिकट दिलवाया, संगीता एक तो पैराशूट प्रत्याशी हैं दूसरे वे ज्यादा सक्रिय भी नहीं हैं, इसलिए पाली में भाजपा प्रत्याशी पी.पी. चौधरी की जीत लगभग पक्की मानी जा रही है और फिर पाली लोकसभा क्षेत्र में कुछ विधानसभा सीटें जोधपुर की है पर वहां भी गहलोत ने प्रचार नहीं किया। पाली में कांग्रेस द्वारा कोई बड़ी रैली व सभा भी नही की गई, जबकि भाजपा ने अमितशाह की सभा कर भाजपा के पक्ष में माहौल करने का प्रयास किया। पाली से पी.पी. चौधरी तीसरी बार जीत दर्ज कर सकते है।

बाड़मेर - जैसलमेर सीट पर प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की नज़रें लगी हुई है। शिव विधायक रविन्द्रसिंह भाटी भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी के लिए शुरू से सिर दर्द बने रहे। कांग्रेस ने हालांकि हनुमान बेनीवाल की पार्टी आर.एल.पी. से गठबंधन कर सीट को निकालने का पूरा प्रयास किया। बाड़मेर लोकसभा सीट जाट, राजपूत व मुस्लिम बहुल है। भाजपा प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी का अपने कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में विकास नही करवाने से उनका विरोध देखा गया। वही भाजपा व कांग्रेस दोनों ने एक जाति से प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारा है। शिव विधायक रवीन्द्र सिंह भाटी की मौजूदगी ने मुकाबला तिकोना बना दिया। कांग्रेस के नेता शिव के पूर्व विधायक अमीन खान ने तो मतदान के दो दिन पूर्व एक साक्षात्कार में मुस्लिम समाज को साफ मैसेज दिया कि जाट, के बजाय मुस्लिम को राजपूत का साथ देना चाहिए। उनका इशारा निर्दलीय भाटी की तरफ था। समझा जाता है कि ऐसा उन्होंने गहलोत के इशारे पर कहा।

असल में गहलोत कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने के लिए पूरे प्रयासरत नज़र आये। उन्होंने उम्मेदाराम के पक्ष में कोई प्रचार नहीं किया। असल में उम्मेदाराम बेनीवाल, हनुमान बेनीवाल की पार्टी, आर.एल.पी. से कांग्रेस में आए थे। हनुमान बेनीवाल उम्मेदाराम के खिलाफ थे तो गहलोत कैसे उम्मेदाराम का साथ दे देते। वे हनुमान बेनीवाल को खुश करने में लगे रहे। हनुमान बेनीवाल की पार्टी से गठबंधन करवाकर उन्हें नागौर सीट तक दे दी यह सब उन्होंने अपने पुत्र वैभव को जिताने के लिए किया।

जोधपुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने सचिन पायलट समर्थक करणसिंह उचियारडा को टिकट दिया जो गहलोत को नागवर गुजरा, हालांकि जोधपुर गहलोत का गृह क्षेत्र है पर उन्होंने यहां कांग्रेस के पक्ष में प्रचार की कोई कोशिश नहीं की। भाजपा के गजेन्द्र सिंह शेखावत का इस बार शुरुआत में विरोध था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नाम, योगी की सभा ने उन्हें काफी मजबूती दी है। करणसिंह ने अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन यदि गहलोत इस सीट के लिए दिलो जान से प्रयास करते तो शायद यह सीट

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

**सामान्य तौर पर किसी चुनाव में मतदान के बाद, कौन जीतेगा, कौन हारेगा का आकलन लगाना बंद हो जाता है, क्योंकि ऐसा मान लिया जाता है कि, उम्मीदवारों का भविष्य तो ई.वी.एम. मशीनों में बंद हो गया, किसी तरह की आकलनबाजी व्यर्थ है, तथा समय की बर्बादी ही है। पर, हमारे संवाददातों का कहना है कि, चुनाव को समझने का, हार-जीत की संभावनाओं, वोटिंग के ट्रैंड के बारे में चर्चा करने का यही समय है। क्योंकि, पार्टियों के कार्यकर्ता भी पोलिंग बूथ में अपनी ड्यूटी पूरी करके ''रिलैक्स्ड'' मूड में आ गये होते हैं, तथा अब कुछ गहरायी से, कुछ शांति से, उन्होंने पोलिंग स्टेशन पर जो देखा व महसूस किया, वो बताने को तैयार हैं। लगभग ऐसी ही स्थिति पार्टियों के नेता, उम्मीदवारों के समर्थकों की होती है। मतदान के पूर्व वह शुभ-शुभ के अलावा कुछ बोलना नहीं चाहते थे, क्योंकि उनके कुछ कहने से, उनके शब्दों व वाक्यों को तोड़-मोड़ कर पेश करके कुछ-कुछ वोट काटे जा सकते थे। पर, जब मतदान ही हो गया तो वोट को हानि पहुंचाने की यह संभावना भी खत्म हो गयी है। अतः अब ये लोग भी अपना सही आकलन देने में नहीं हिचकिचाते।**

**अतः अब इन लोगों से बात करके हमारे संवाददाता सीट के बारे में अपना आकलन पुनः गहरायी से पेश करना चाह रहे हैं। उसी श्रृंखला में आज पहली कड़ी हम प्रस्तुत कर रहे हैं।**